10 जनवरी 2026
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

नया भोजपुर पैक्स बैंक घोटाला : ताले के पीछे कैद जमाकर्ताओं की गाढ़ी कमाई, बढ़ती जा रही पीड़ा

2

एक नजर

हाइपरसोनिक मिसाइल विकास में भारत ने हासिल की बड़ी सफलता

हैदराबाद । रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने हाइपरसोनिक मिसाइल के विकास में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस बात की जानकारी रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर के दी। मंत्रालय ने बताया कि डीआरडीएल ने एक्टिवली कूल्ड स्क्रैमजेट फुल स्केल कम्बस्टर का लंबी अवधि का ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक किया। इस टेस्ट में उपकरण ने 12 मिनट से अधिक लगातार काम किया, जो हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक बड़ा मील का पत्थर है। यह टेस्ट स्क्रैमजेट कनेक्ट पाइप टेस्ट (एससीपीटी) सुविधा में 9 जनवरी 2026 को किया गया। इस सफलता से भारत की हाइपरसोनिक मिसाइल प्रौद्योगिकी और विकास में मजबूती आएगी और रक्षा क्षेत्र में नई क्षमताओं का निर्माण होगा। बता दें कि डीआरडीएल की यह उपलब्धि भारत के सुपरसोनिक और हाइपरसोनिक हथियार विकास में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में हल्के कोहरे के बीच बूंदाबांदी

नई दिल्ली। देश के बड़े हिस्से में सर्दी ने जनजीवन को बुरी तरह जकड़ लिया है। पहाड़ी राज्यों में तापमान तेजी से गिरा है, जबकि मैदानी इलाकों में घना कोहरा लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। जम्मू-कश्मीर में एक ही रात में तापमान साढ़े पांच डिग्री तक गिर गया, वहीं उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में नलों का पानी जम गया। मौसम विभाग ने साफ किया है कि फिलहाल ठंड से राहत के आसार नहीं हैं। वहीं, दिल्ली में हल्के कोहरे के बीच सुबह-सुबह बूंदाबांदी भी देखने को मिली। जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में बुधवार को इस सीजन की सबसे सर्द रात दर्ज की गई। श्रीनगर, पुलवामा, शोपियां, पहलगाम और गुलमर्ग में तापमान शून्य से काफी नीचे चला गया। मौसम विभाग के अनुसार श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 5.1 डिग्री, पुलवामा में माइनस 6.8, शोपियां में माइनस 7.8, पहलगाम में माइनस 8.6 और गुलमर्ग में माइनस 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कोलकाता में सीएम ममता बनर्जी का विरोध प्रदर्शन

- ईडी की कार्रवाई के विरोध में उतरी सीएम ममता बनर्जी
- 2026 के चुनाव को लेकर टीएमसी के नेताओं को बनाया जा रहा शिकार

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को राज्य की राजधानी कोलकाता में टीएमसी प्रमुख प्रतीक जैन के घर और दफ्तरों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। तृणमूल कांग्रेस के सीनियर नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ, बनर्जी ने 8 बी बस स्टैंड इलाके से मार्च शुरू किया। इस दौरान बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए और उस पर 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक बदले के लिए केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया। यह रैली, जो हाजरा मोड़ की ओर बढ़ रही है, गुरुवार को ममता बनर्जी के म्क की तलाशी के दौरान जैन के लाउडन स्ट्रीट वाले घर पर अचानक जाने के एक दिन बाद हो रही है। इससे पहले, टीएमसी सांसदों महुआ मोइत्रा, डेरेक ओ ब्रायन और अन्य को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के ऑफिस के बाहर हिरासत में लिए जाने के बाद ममता बनर्जी ने केंद्र और बीजेपी पर निशाना साधा।

पार्टी सांसदों के साथ हुए बर्ताव की निंदा की

इससे पहले ममता बनर्जी ने दिल्ली में गृह मंत्रालय के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान पार्टी सांसदों के साथ हुए बर्ताव की निंदा की और इसे शर्मनाक, अस्वीकार्य और लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमलाश करार दिया । शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के कई सांसदों को उस वक्त हिरासत में ले लिया गया, जब वे केंद्र द्वारा जांच एजेंसियों के कथित गलत इस्तेमाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि चुने हुए प्रतिनिधियों को, उनके लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करने पर सड़कों पर घसीटना कानून लागू करना नहीं है ।यह वर्दी में अहंकार है।

भारत एक लोकतंत्र है, भाजपा की निजी संपत्ति नहीं

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि भारत एक लोकतंत्र है, भारतीय जनता पार्टी की निजी संपत्ति नहीं है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र सत्ता में बैठे लोगों की सुविधा या आराम पर नहीं चलता। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया।उन्होंने दावा किया कि जहां इसके नेता विरोध प्रदर्शनों के दौरान हरेड कार्पेट और खास सुविधाओंह की उम्मीद करते हैं, वहीं विपक्षी सांसदों को आवाज उठाने पर हघसीटा जाता है, हिरासत में लिया जाता है और अपमानित किया जाता है।

मोदी सरकार की विदेश नीति पेंडुलम की तरह : खरगे

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने चीनी कंपनियों से प्रतिबंध हटाने की तैयारी के दावों तथा टैरिफ विवाद में ताजा अमेरिकी दावे के मद्देनजर मोदी सरकार की विदेश नीति पर तीखे सवाल उठाए हैं। पार्टी ने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से दावा किया कि भारत की सरकारी परियोजनाओं के कांट्रैक्ट में चीनी कंपनियों के बोली लगाने पर पांच साल पहले लगी पाबंदी को मोदी सरकार हटाने जा रही है और चीनी आक्रामकता के सामने सोची-समझी हार से कम नहीं है"। इसे सरकार की चीन नीति में आया अचानक यू-टर्न बताते हुए कांग्रेस ने संसद के बजट सत्र में इस बारे में सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चीनी कंपनियों से बैन हटाने की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सरकार की विदेश नीति पर हमला बोला और इसके लिए पीएम मोदी की चर्चित टिप्पणी मैं देश नहीं झुकने दूंगा का सहारा लिया। खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज जो हो रहा है, वो बिलकुल उसका उल्टा है। दो ताजा उदाहरण हैं, पहला पांच साल से लगा चीनी कंपनियों पर बैन हटाया जा रहा है। गलवन में भारतीय वीर सैनिकों ने जो आहुति दी, उनके बलिदान का अपमान तो पीएम मोदी ने चीन को क्लीन चिट थमाकर किया था। अब चीनी कंपनियों के लिए लाल कार्पेट बिछाकर, वो ये दिखा रहे हैं कि उनकी लाल आंख में चीनी लाल रंग कितना गहरा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि दूसरा उदाहरण है अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जो रोजाना भारत द्वारा रूसी तेल निर्यात पर टिप्पणी कर रहें हैं।

गंभीर रूप से घायल 33 व्यक्तियों को उपचार के लिए रेफर किया गया

हिमाचल में बड़ा हादसा, खाई में गिरी बस, 12 की मौत

- पीएम राहत कोष से हर मृतक के परिवार को 2 लाख रुपये की दी जाएगी मदद

एजेंसी। सिरमौर

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में एक निजी बस खाई में गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। बस कुपवी से शिमला जा रही थी, तभी हरिपुरधार के पास चालक ने नियंत्रण खो दिया। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर के संगड़ाह उपमंडल के हरिपुरधार में शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे एक निजी बस (जीत कोच) के गहरी खाई में गिर जाने से 12 लोगों की मौत हो गई। बस में 45 लोग सवार थे। 33 गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए आईजीएमसी शिमला रैफर किया गया है। निजी बस जीत कोच कुपवी से शिमला की ओर जा रही थी। हादसा दोपहर करीब तीन बजे उस वक्त पेश आया जब बस हरिपुरधार बाजार से शिमला की तरफ निकली ही थी। इसी दौरान बस चालक ने अचानक वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस सड़क से फिसलते हुए गहरी खाई में जा गिरी।

सीएम ने हादसे पर जताया दुख

इस हादसे पर सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गहरा शोक जताया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने और घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। हादसे का घटनाक्रम प्राप्त जानकारी के अनुसार, निजी बस कुपवी से शिमला की ओर जा रही थी। चश्मदीदों के मुताबिक, हादसा उस समय हुआ जब बस हरिपुरधार बाजार से शिमला की तरफ निकली ही थी। बाजार से मात्र 100 से 200 मीटर आगे बढ़ते ही चालक ने अचानक वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस सड़क से फिसलते हुए सीधे गहरी खाई में समा गई। बताया जा रहा है कि बस में करीब तीन दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

राहत और बचाव कार्य जारी

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीमें सक्रिय हो गईं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश रोल्टा ने पुष्टि की है कि अब तक 5 शवों को खाई से निकाला जा चुका है। संगड़ाह, राजगढ़ और ददाहू से पुलिस और राहत दलों को तुरंत मौके पर भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक एन.एस. नेगी भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को खाई से निकालकर तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया जा रहा है।

अंधेरा और गहरी खाई बनी चुनौती

खाई काफी गहरी होने के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया अभी जारी है. प्रशासन की प्राथमिकता फिलहाल घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना और खाई में फंसे अन्य संभावित यात्रियों को बाहर निकालना है।

पीएम ने जताया शोक

राष्ट्रपति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस भयावह हादसे पर दुख जताते हुए लिखा कि, हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में हुई बस दुर्घटना में यात्रियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायल व्यक्तियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। इसी बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हादसे को लेकर ट्वीट किया कि, हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में बस हादसे में हुई मौतों से बहुत दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना है।

अब नशा माफियायों की खैर नहीं : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनकोर्ड) की 9वीं उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। यह बैठक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा हाइब्रिड मोड में आयोजित की जा रही है, जिसमें केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुख अधिकारी शामिल हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य नशा तस्करी नेटवर्क और गैंग को तोड़ना, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, हवाला और डार्कनेट जैसी नई चुनौतियों का सामना करना है। बता दें कि शाह के नेतृत्व में की जा

रही इस बैठक में मोदी सरकार की हपूर्ण सरकार दृष्टिकोणह को ध्यान में रखते हुए चर्चा की जाएगी। इसमें मुख्य मुद्दे नशा तस्करी नेटवर्क और गैंग को तोड़ना, सुरक्षित और संवेदनशील क्षेत्रों (हॉटस्पॉट) का मानचित्र तैयार करना, हवाला और अवैध लेन-देन की जांच, डार्कनेट जैसी नई तकनीकी चुनौतियों का सामना करना और 360 डिग्री की व्यापक जांच करना हैं। इस बैठक का उद्देश्य देश में नशे की तस्करी और माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करना और इसके खिलाफ सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता एनकोर्ड की 9वीं उच्च स्तरीय बैठक हो रही है। इस बैठक में नशा तस्करी नेटवर्क तोड़ने, हॉटस्पॉट मानचित्रण, हवाला और डार्कनेट जैसी चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। बैठक का लक्ष्य देश में माफियाओं पर प्रभावी कार्रवाई और एजेंसियों का समन्वय बढ़ाना है।

आतिशी के इस्तीफे से कम कुछ भी मंजूर नहीं : भाजपा

एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी मालेर्ना के द्वारा कथित तौर पर सिख गुरु तेग बहादुर का अपमान किए जाने पर भाजपा शुक्रवार को सड़कों पर उतरी। पार्टी का आरोप है कि आम आदमी पार्टी के नेता जानबूझकर भारतीय धर्म-संस्कृति का मजाक उड़ाते हैं। भाजपा के अनुसार , आम आदमी पार्टी नेता पहले भी ऐसा कर चुके हैं और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भी सिख समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है। भाजपा ने आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया और आतिशी मालेर्ना और भगवंत मान के इस्तीफे की मांग की। पार्टी इस मुद्दे को पंजाब में भी मजबूती से उठाने की योजना बना रही है। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि आतिशी मालेर्ना के वीडियो से छेड़छाड़ की गई है। आम आदमी पार्टी ने वीडियो के फॉरेंसिक जांच की मांग की है। भारतीय जनता पार्टी के महासचिव तरुण चुग ने अमर उजाला से कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता जानबूझकर हिंदू और सिख गुरुओं के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं में भारतीय धर्म संस्कृति के खिलाफ थोड़ा सा भी सम्मान नहीं है, जिसके कारण वे बार-बार हिंदुओं और सिखों को अपमानित करने का काम करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी तरह के एक मामले में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से भी सिख समुदाय सफाई मांग रहा है।

बच्चों व मनोरोगियों के अधिकारों पर जोर, विधिक सेवाओं की दी गई जानकारी

■ चक्की प्रखंड के जीविका दीदी अधिकार केंद्र पर जागरूकता कार्यक्रम

केटी न्यूज/डुमरांव

आज विश्व के कई देशों में बच्चे अत्यंत कठिन परिस्थितियों में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। ऐसे बच्चों की ओर समाज और शासन का विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। इसी तरह मनोरोगी व्यक्तियों के साथ भी अक्सर दुर्व्यवहार, हिंसा और शोषण की घटनाएं सामने आती हैं, जिसके कारण उन्हें समाज में समानता और सम्मान नहीं मिल पाता। इन सभी वर्गों को न्याय, सम्मान और अधिकार दिलाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बक्सर के मार्गदर्शन में चक्की प्रखंड स्थित जीविका दीदी अधिकार केंद्र पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मनोरोगी व्यक्तियों को उनकी विकलांगता के आधार पर भेदभाव किए बिना किसी भी अदालत, न्यायाधिकरण, प्राधिकरण, आयोग या अन्य न्यायिक मंच तक पहुंचने का अधिकार है। इसके लिए निःशुल्क विधिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, ताकि वे अपने अधिकारों का प्रभावी ढंग से प्रयोग कर सकें। उन्होंने बालकों के अधिकारों के समुचित संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने बाल कल्याण से संबंधित सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा संबंधित विभागों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार नालसा की ह्लबच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं योजना-2024ह्व के तहत लीगल सर्विस यूनिट फॉर चिल्ड्रेन एवं लीगल सर्विस यूनिट (मेंटल हेल्थ) के गठन की जानकारी भी दी गई। साथ ही बच्चों से जुड़े कानूनी और नीतिगत ढांचे पर प्रकाश डाला गया।

पीएलवी नेहा कुमारी ने कहा कि बच्चों को विधिक सहायता प्रदान करना और उनके अधिकारों का संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। प्रारंभ से ही बच्चों के अधिकारों के प्रति सजग रहकर उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाया जा सकता है। उन्होंने नई चेतना अभियान के माध्यम से लिंग आधारित भेदभाव और असमानता को कम करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यक्रम में जीसीआरपी रीना कुमारी, सीएलएफ अध्यक्ष सुशीला देवी, पूजा देवी, संचिता कुमारी, गुड्डी देवी, इंद्रावती देवी, नीतू कुमारी, सुनैना देवी, विदेश्वरी देवी, विनीता पाण्डे, शैलेन्द्र राजू सहित कई महिलाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

एक नजर

शराब पीकर हंगामा कर रहे दो युवक गिरफ्तार

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून के उल्लंघन के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। मामला छोटका ढकाइच गांव का है, जहां गुरुवार को दो लोग शराब के नशे में सार्वजनिक स्थान पर हंगामा कर रहे थे। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची कृष्णाब्रह्म थाना की पुलिस टीम ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए दोनों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अरक गांव निवासी संजय गोंड़ और हरखाही मठिया गांव निवासी कपिल गिरी के रूप में की गई है। पुलिस द्वारा मौके पर ही ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई, जिसमें दोनों के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उन्हें थाना लाया गया। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है और इसके उल्लंघन पर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। शराब के सेवन और नशे की हालत में हंगामा करने के आरोप में दोनों व्यक्तियों को शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि शराबबंदी कानून का पालन करें और नशे से दूर रहें। साथ ही, ऐसी किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने का संदेश गया।

डुमरांव नगर परिषद के विभागीय कार्यों की होगी जांच, एक अरब से अधिक की राशि पर उठे सवाल

डुमरांव। नगर परिषद क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह ने नगर परिषद द्वारा कराए गए विभागीय कार्यों की जांच कराने की घोषणा की है। विधायक का आरोप है कि जिन कार्यों को टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से कराया जाना चाहिए था, उन्हें जानबूझकर छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर विभागीय रूप से कराया गया, जिससे न केवल सरकारी नियमों की अनदेखी हुई बल्कि गुणवत्ता पर भी असर पड़ा।

विधायक ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र, डुमरांव और इसके विस्तारित इलाकों में वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग एक अरब रुपये से अधिक के कार्य कराए गए हैं। नियमानुसार 15 लाख रुपये तक के कार्य विभागीय कराए जा सकते हैं, लेकिन इससे अधिक राशि वाले कार्यों के लिए टेंडर अनिवार्य होता है। इसके बावजूद नगर परिषद ने सड़कों और अन्य विकास कार्यों को कई भागों में विभक्त कर विभागीय रूप से करा दिया।

उन्होंने कहा कि यदि ये कार्य टेंडर के माध्यम से कराए जाते तो कम खर्च में बेहतर और टिकाऊ निर्माण संभव होता। वर्तमान स्थिति यह है कि एक ओर सड़क का निर्माण किया जा रहा है तो दूसरी ओर वही सड़क टूटने लगती है, जो निर्माण की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

विधायक राहुल कुमार सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्हें इस संबंध में लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायत मिलते ही वे एक्शन में आए और पूरे मामले की जांच कराने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि जांच में यह देखा जाएगा कि किन-किन कार्यों को नियमों के विरुद्ध विभागीय कराया गया और इसमें कौन-कौन जिम्मेदार हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जनता के टैक्स का पैसा विकास के नाम पर बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। अगर जांच में गड़बड़ी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नया भोजपुर पैक्स बैंक घोटाला : ताले के पीछे कैद जमाकर्ताओं की गाढ़ी कमाई, बढ़ती जा रही पीड़ा

■ शादी, इलाज और भविष्य की जरूरतें अटकीं, गरीब जमाकर्ता न्याय की आस में

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर में पैक्स द्वारा संचालित जमा वृद्धि योजना के तहत चल रहे कथित बैंक में हुए गबन ने सैकड़ों गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय जमाकताओं की जिंदगी को संकट में डाल दिया है। बैंक में अचानक ताला लटकने और गबन का मामला सामने आने के बाद लोगों की वर्षों की मेहनत की कमाई मानो हवा हो गई है। जिन लोगों ने भविष्य की जरूरतों, बेटी की शादी और बीमारी के इलाज के लिए थोड़ी-थोड़ी रकम जमा की थी, वे आज दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

हालांकि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इस मामले में सामूहिक एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच शुरू हो चुकी है, लेकिन इससे जमाकताओं की तत्काल मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। बैंक बंद होने के बाद न तो किसी को अपनी जमा राशि मिल पा रही है और न ही कोई संतोषजनक जवाब।

गरीबों की उम्मीदों पर लगा ताला

बताया जा रहा है कि इस पैक्स बैंक में पैसा जमा करने वाले अधिकांश लोग आर्थिक रूप से कमजोर तबके से आते हैं। किसी ने दिहाड़ी मजदूरी से, तो किसी ने सब्जी बेचकर, तो किसी ने छोटे-मोटे काम से अपनी गाढ़ी कमाई बचाकर जमा की थी। उनका विश्वास था कि जरूरत के समय यह राशि सहारा बनेगी। लेकिन आरोप है कि पैक्स प्रबंधन की नीयत में खोट था और अध्यक्ष व संचालक ने मिलकर जमाकताओं के पैसे का गबन कर लिया। जमाकर्ताओं का कहना है कि सूद समेत पैसा लौटाने के बजाय प्रबंधन ने विश्वासघात किया, जिससे सैकड़ों परिवारों के सामने आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है।

86 हजार की जमा, पर शादी अधर में

इस घोटाले की सबसे मार्मिक तस्वीर नया भोजपुर निवासी स्व. रामाशंकर तुरहा की अनाथ बेटी सुनीता की है। सुनीता ने इस पैक्स बैंक में 86 हजार रुपये जमा कर रखे थे। माता–पिता के निधन के बाद वह गांव में सब्जी बेचकर किसी तरह अपना और परिवार का भरण–पोषण कर रही है। उसकी फरवरी में शादी तय है, लेकिन बैंक में जमा पैसे न मिल पाने के कारण शादी की तैयारियां तक शुरू नहीं हो सकी हैं। सुनीता ने एसपी के जनता दरबार में अपनी पीड़ा बयां करते हुए बताया कि शादी सिर पर है, लेकिन पैसे के अभाव में वह असहाय महसूस कर रही है। जिस भरोसे के साथ उसने अपनी कमाई बैंक में रखी थी, वही भरोसा अब टूट चुका है।

इलाज और जीवन की अंतिम जरूरतें भी अटकीं

सुनीता अकेली पीड़िता नहीं है। इस पैक्स बैंक में पैसा जमा करने वाले कई बुजुर्ग ऐसे हैं, जो जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं और बीमारी के इलाज के लिए अपनी जमा पूंजी पर निर्भर थे। आज वे इलाज कराने में असमर्थ हैं। कई परिवारों की बेटियों की शादियां टल गई हैं, तो कई घरों में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है।

जांच शुरू, लेकिन सवाल बरकरार

नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि एफआईआर दर्ज होने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पीड़ित जमाकताओं को जल्द न्याय मिलेगा और उनकी गाढ़ी कमाई वापस लौटेगी, पुलिस की कार्रवाई और प्रशासन की तत्परता पर अब सैकड़ों पीड़ित परिवारों की निगाहें टिकी हैं।

थर्मल प्लांट हादसा : बॉयलर गिरने से मजदूर की मौत, परिजनों को मुआवजा व पेंशन का ऐलान

■ 50 पदों पर होगा त्वरित चयन, 15 से 20 हजार रुपये तक मासिक वेतन की संभावना

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में कार्यस्थल सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। थर्मल पावर प्लांट में काम के दौरान हुए एक दर्दनाक हादसे में बक्सर जिले के निवासी मजदूर राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि ड्यूटी के दौरान अचानक ऊपर से भारी बॉयलर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आने से उनकी जान चली गई। घटना के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई, वहीं मृतक के घर में कोहराम मच गया। हादसे की सूचना मिलते ही सदर विधायक आनंद मिश्र ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन और पावर प्लांट प्रबंधन से संपर्क किया। उन्होंने पीड़ित परिवार को तत्काल राहत दिलाने और जिम्मेदार पक्षों पर कार्रवाई की मांग की। विधायक के हस्तक्षेप के बाद मुआवजा और सहायता को लेकर ठोस निर्णय सामने आए। प्रशासनिक स्तर पर यह तय किया गया कि मृतक के परिवार को नियमित आर्थिक सहयोग दिया जाएगा। इसके तहत राजकुमार के बच्चे को 25 वर्ष की आयु तक 750 प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि उसकी शिक्षा और भविष्य प्रभावित न हो। वहीं मृतक की पत्नी को 2900 प्रतिमाह आजीवन पेंशन देने की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में पावर मेक कंपनी ने भी मुआवजे की घोषणा की। कंपनी ने मृतक की पत्नी संगीता देवी को कुल 11 लाख रुपये देने का आश्वासन दिया है। इसमें से 1 लाख रुपये अंतिम संस्कार के लिए तत्काल प्रदान किए गए हैं, जबकि शेष 10 लाख रुपये 10 दिनों के भीतर डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से उनके बैंक खाते में जमा किए जाएंगे।

इस घटना ने औद्योगिक इकाइयों में मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों और मजदूर संगठनों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को लागू करने की मांग की है। वहीं त्वरित मुआवजा और पेंशन की घोषणा से पीड़ित परिवार को कुछ हद तक राहत जरूर मिली है, लेकिन हादसे की पीड़ा आज भी परिवार और क्षेत्रवासियों के मन में गहरी है।

पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 विद्यालयों में नामांकन प्रक्रिया शुरू, एक मार्च को होगी प्रवेश परीक्षा

केटी न्यूज/डुमरांव

पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा राज्य के सभी जिलों में संचालित 39 अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जानकारी डुमरांव अनुमंडल की कल्याण पदाधिकारी पिंकी कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि इन आवासीय विद्यालयों में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ आवासन, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। विभाग द्वारा कक्षा 6 से 9 तक की संभावित रिक्त सीटों पर नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उपलब्ध सीटों के अनुसार कक्षा 6 में 1560, कक्षा 7 में 336, कक्षा 8 में 114 तथा कक्षा 9 में 149 सीटें निर्धारित की गई हैं।

नामांकन के लिए छात्राओं का चयन वस्तुनिष्ठ प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। दो घंटे की इस परीक्षा में कुल 100 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रश्न पत्र में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान से 20-20 अंकों के प्रश्न शामिल होंगे।

पात्रता शर्तों के अनुसार आवेदिका के माता-पिता या अभिभावक की वार्षिक आय अधिकतम तीन लाख रुपये होनी चाहिए। आयु सीमा 1 अप्रैल 2026 को कक्षा 6 के लिए 10 से 13 वर्ष, कक्षा 7 के लिए 11 से 14 वर्ष, कक्षा 8 के लिए 12 से 15 वर्ष तथा कक्षा 9 के लिए 13 से 16 वर्ष निर्धारित की गई है।

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 10 जनवरी 2026 से 9 फरवरी 2026 तक चलेगी। प्रवेश पत्र 15 फरवरी से 22 फरवरी 2026 तक डाउनलोड किए जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 1 मार्च 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएगी, जबकि परिणाम 13 मार्च 2026 को प्रकाशित किया जाएगा। चयनित छात्राओं का नामांकन 16 मार्च से 23 मार्च 2026 तक होगा और कक्षाएं 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होंगी।

कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि आवेदन या नामांकन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर अभ्यर्थी पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

जन्म–मृत्यु पंजीकरण में सटीकता और समयबद्धता जरूरी : जिलाधिकारी साहिला

■ जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण में अधिकारियों, कर्मियों का क्षमतावर्द्धन, कानून व पोर्टल की दी गई विस्तृत जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में शुक्रवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। जिलाधिकारी सह जिला रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु) बक्सर साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जन्मद्दमृत्यु रजिस्ट्रीकरण कार्य से जुड़े पदाधिकारियों एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला सांख्यिकी पदाधिकारी-सह-अपर जिला रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु) मोती कुमार दिनकर के संयोजन में किया गया। प्रशिक्षण से पूर्व जिला सांख्यिकी पदाधिकारी द्वारा जिलाधिकारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद जिलाधिकारी-सह-जिला रजिस्ट्रार द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

कानूनी प्रावधानों की दी गई गहन जानकारी

प्रशिक्षण सत्र में सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी इटाढ़ी हेमंत कुमार चौबे एवं सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी अभय प्रताप सिंह द्वारा प्रतिभागियों को जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान जन्मद्दमृत्यु पंजीकरण के महत्व, प्रशासनिक ढांचे, रजिस्ट्रेशन खंड, रजिस्ट्रार की नियुक्ति एवं उनकी भूमिका, अनुज्ञा प्रक्रिया, विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी के आदेश, विलंब से पंजीकरण की प्रक्रिया, त्रुटि सुधार, तथा प्रावधानों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने की जानकारी दी गई।

नए अधिनियम व संशोधित नियमावली पर जोर

प्रशिक्षण में जन्म एवं मृत्यु अधिनियम 1969, जन्म एवं मृत्यु अधिनियम 2023, बिहार राज्य जन्म एवं मृत्यु अधिनियम 1999 तथा संशोधित नियमावली 2025 के प्रावधानों पर विशेष प्रकाश डाला गया। साथ ही जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण में प्रयुक्त होने वाले सभी आवश्यक प्रपत्रों की व्यवहारिक जानकारी साझा की गई।

विभागीय पोर्टल की तकनीकी समझ

प्रतिभागियों को विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण की तकनीकी प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई, ताकि डिजिटल माध्यम से पंजीकरण में किसी प्रकार की त्रुटि न हो और आम जनता को समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का नियमसंगत एवं व्यावहारिक समाधान भी किया गया।

डीएम का संदेश : जिम्मेदारी और संवेदनशीलता जरूरी

जिलाधिकारी साहिला ने अपने संबोधन में कहा कि जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील कार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही आम लोगों को गंभीर समस्याओं में डाल सकती है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, छेलवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरूवार

महाशिवरात्रि पर ढकाइच में आस्था का महोत्सव, 300 साल पुराने शिवालय में लगेगी 10 फीट ऊंची प्रतिमा

केटी न्यूज/डुमरांव

सिमरी प्रखंड के ढकाइच गांव में आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर आस्था, परंपरा और सामूहिक सहभागिता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। करीब 300 वर्ष पुराने आदिदेव शिव मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ की 10 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल है और हर वर्ग के लोग तैयारियों में जुटे हुए हैं। ग्रामीणों के अनुसार ढकाइच स्थित आदिदेव शिव मंदिर केवल

पूजा स्थल नहीं, बल्कि गांव के अस्तित्व और विश्वास से जुड़ा केंद्र रहा है। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि गंगा की प्रचंड धारा से जब गांव पर डूबने का खतरा मंडरा रहा था, तब बनारस से लाए गए शिवलिंग की स्थापना के बाद हालात बदले और गांव सुरक्षित रहा। इसके बाद विधिवत मंदिर का निर्माण हुआ, जिसमें ग्रामीणों ने मिलकर योगदान दिया। तभी से यह शिवालय गांव की आस्था और एकता का प्रतीक बन गया। अब इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भगवान भोलेनाथ की भव्य प्रतिमा को कोलकाता से मंगाया गया है। प्रतिमा की कलात्मक बनावट और दिव्यता को लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह है। महाशिवरात्रि के दिन वैदिक मंत्रोच्चार, विशेष पूजा, हवन और अनुष्ठान के साथ प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। आयोजन के दौरान विशाल भंडारे का भी प्रबंध किया गया है, जिसमें आसपास के गांवों के साथ दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु शामिल होंगे। संत-महात्माओं और गणमान्य लोगों की उपस्थिति से कार्यक्रम की भव्यता और बढ़ेगी। ग्रामीणों का कहना है कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि गांव के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरूआत है। श्रमदान और सहयोग से साकार हो रहा यह सपना ढकाइच गांव की सामूहिक शक्ति और अटूट आस्था को दशार्ता है।

एसडीपीओ ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी, तीन मोबाईल व जीपीएस सिस्टम बरामद

नया भोजपुर में 60 लाख की शराब लदी कंटेनर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, भूसी के आड़ में हो रही थी तस्करी

- **पंजाब से पटना लाई जा रही थी शराब की खेप, राजस्थान के रहने वाले है तस्कर**

केटी न्यूज/डुमरांव

शराब तस्करी के खिलाफ अनुमंडल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसपी शुभम आर्य के निर्देश पर डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने गुरूवार की रात नया भोजपुर थाना के समीप से शराब लदी एक कंटेनर को पकड़ा है। कंटेनर से ब्लू इंपिरियर व रायल स्टैग ब्रांड विदेशी शराब की कुल 7866.72 लीटर शराब बरामद हुई, जिसका अनुमानित कीमत 60 लाख रूपए आंका जा रहा है। पुलिस ने तस्करी के आरोप में कंटेनर चालक व सह चालक को गिरफ्तार किया है। उनके पास से तीन स्मार्ट फोन तथा वाहन में लगा जीपीएस सिस्टम बरामद हुआ है। शराब की यह खेप पंजाब के चंडीगढ़ से पटना लाई जा रही थी।

गिरफ्तार तस्करों में राजस्थान के बाडमेर जिला के चौहटन थाना क्षेत्र अंतर्गत आकुरा गांव निवासी लील सिंह पिता पदम सिंह तथा रामदेरिया गांव निवासी जुंजार सिंह पिता कुंप सिंह शामिल है।

शुक्रवार को एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने इस मामले में नया भोजपुर थाने में प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि एसपी शुभम आर्य को गुप्त सूचना मिली थी कि तस्करों द्वारा शराब की एक बड़ी खेप लाई जा रही है। इस सूचना पर उन्होंने मेरे नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर छापेमारी करने का निर्देश दिया। जिसके आलोक में गुरूवार की शाम नया भोजपुर थाना के समीप छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान एमपी नंबर की एक 12 चक्का कंटेनर जिसका रजिस्टेज्शन नंबर एमपी 09 डीएस 7744 है, आती दिखाई पड़ी। जिसे रोक जब चालक से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि इसमें धान की भूसी लगी है, लेकिन चालक व सह चालक के हावभाव से पुलिस टीम को शक हुआ तथा जब गहराई से पड़ताल की गई तो ट्रक अंदर धान की भूसी लदी बोरियों के नीचे शराब की पेटिया नजर आई, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर कंटेनर को थाने लाया गया।

एसडीपीओ ने बताया कि दोनों शराब की इस खेप को पंजाब के चंडीगढ़ से पटना ला रहे थे। हालांकि, इस खेल का मास्टर माइंड कोई और है तथा वाहन में लगे जीपीएस सिस्टम के सहारे वह चालक को लोकेट कर रहा था।

एसडीपीओ ने बताया कि दोनों से पूछताछ के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। उन्होंन कहा कि जल्दी ही इस खेल के असली सरगना को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसडीपीओ ने कहा कि दोनों के खिलाफ नया भोजपुर थाने में उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। एसडीपीओ ने इसे पुलिस के लिए बड़ी सफलता बताया है। वहीं, इस मामले में बक्सर उत्पाद विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगा है। बता दें कि बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतू पर उत्पाद विभाग का चेकपोस्ट भी है। जहां यूपी की तरफ से आने वाले वाहनों की सघन तलाशी ली जाती है। उत्पाद टीम के पास स्कैनर भी मौजूद है। बावजूद शराब की इतनी बड़ी खेप पकड़ में नहीं आना, कई सवाल खड़े कर रहा है। शराब की इस खेप को पकड़ने वाली एसआईटी में एसडीपीओ पोलस्त के अलावे नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सुमन कुमार, सहायक अवर निरीक्षक मो. शाहिद तथा नया भोजपुर थाने की सशस्त्र बल शामिल थे।

एक नजर

बचपन को बंधन नहीं, सपनों की उड़ान चाहिए : बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत प्रशिक्षण आयोजित

बक्सर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के प्रांगण में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार की अध्यक्ष काजल झाम्ब ने की। इस प्रशिक्षण में जिले में कार्यरत आंगनवाड़ी सेविकाएं, आशा कार्यकर्ता, पैरा विधिक स्वयंसेवक, आशा योजना से जुड़े सदस्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार की टीम शामिल हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार नेहा दयाल, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह नेत, विधिक सहायता प्रणाली प्रमुख विनय कुमार सिंहा सहित मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। मंच संचालन पैरा विधिक स्वयंसेवक शत्रुघ्न सिन्हा ने किया। प्रशिक्षण सत्र में नेहा दयाल ने बाल विवाह की परिभाषा, भारत में विवाह की कानूनी आयु, बाल विवाह के कारण, इसके सामाजिक दुष्प्रभाव, संवैधानिक प्रावधान, मानवाधिकार तथा इसे रोकने में समाज की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अनुसार 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की एवं 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह कानूनन अपराध है। इसमें दोषी वयस्क पुरुष को दो वर्ष तक का कारावास अथवा एक लाख रुपये तक का जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। प्रशिक्षकों ने यह भी बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत बाल विवाह मुक्त भारत की प्रतिज्ञा ली जा सकती है, जिससे 2030 तक देश को बाल विवाह से मुक्त बनाने का लक्ष्य है। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक चला। इस अवसर पर आशा इकाई के सदस्य, कार्यालय कर्मी एवं बड़ी संख्या में पैरा विधिक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

चुन्नी में बांझपन निवारण सह पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 108 पशुपालकों को मिला लाभ

बक्सर । चौसा प्रखंड के ग्राम चुन्नी में पशुपालन विभाग की ओर से बांझपन निवारण सह पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य पशुओं में बढ़ती प्रजनन संबंधी समस्याओं का

समाधान कर पशुपालकों की आय बढ़ाना था। शिविर में बड़ी संख्या में पशुपालकों ने भाग लिया और कुल 108 पशुपालकों को प्रत्यक्ष लाभ मिला। शिविर में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. राम सेवक साह के नेतृत्व में भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार भारती, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. देवेंद्र कुमार रंजन तथा मोबाइल वेटरनरी यूनिट (एमवीयू) के पशुचिकित्सक डॉ. अजय प्रकाश यादव की टीम ने गाय, भैंस एवं अन्य पशुओं की गहन जांच की। जांच के दौरान एनिस्ट्रस, रिपीट ब्रीडिंग, गर्भाशय संक्रमण जैसी समस्याओं की पहचान कर पशुओं को उचित चिकित्सा, हार्मोनल उपचार एवं आवश्यक दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर पशुपालकों को पशुओं के प्रजनन चक्र, हीट पहचान, समय पर कृत्रिम गभार्धान, संतुलित आहार, खनिज मिश्रण, हरा चारा, स्वच्छता, नियमित डीवॉर्मिंग व टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी गई। ठंड के मौसम में पशुओं की विशेष देखभाल, साफ आवास एवं ऊर्जा युक्त आहार पर भी जोर दिया गया। शिविर में चुन्नी सरपंच वीर बहादुर सिंह, परावेट अमित कुमार सिंह, शत्रुधन सिंह, कार्यालय परीचारी अमृतेश कुमार, पशुपति चौबे, इम्तियाज भारती, विनोद सिंह, वार्ड सदस्य प्रदीप सिंह सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। लाभान्वित पशुपालकों ने ऐसे शिविरों को पशुपालन को वैज्ञानिक व लाभकारी बनाने में सहायक बताया।

किसान रजिस्ट्री अभियान को मिशन मोड में चलाने का निर्देश, डीएम ने दिए सख्त आदेश

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में किसान रजिस्ट्री अभियान को तेज, प्रभावी और समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता, जिला कृषि पदाधिकारी, दोनों अनुमंडल पदाधिकारी, जिला बंदोबस्त पदाधिकारी एवं सभी प्रखंडों के प्रभारी पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने किसान रजिस्ट्री एवं ई-केवाईसी कार्य को मिशन मोड में संचालित करने का स्पष्ट निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक पात्र किसान का पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी किसान सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रह जाए। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंडों में डोर-टू-डोर अभियान चलाकर किसानों का पंजीकरण कराने का आदेश दिया। इसके साथ ही प्रत्येक प्रखंड में तत्काल ब्लॉक स्तरीय मॉनिटरिंग सेल गठित करने का निर्देश दिया गया, जो प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक अभियान की प्रगति की निगरानी करेगा। जिला स्तर पर भी कंट्रोल एवं मॉनिटरिंग सेल का गठन किया गया है, जो फील्ड में कार्यरत कर्मियों को आ रही तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं का त्वरित समाधान करेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी किसान रजिस्ट्री कैंप प्रतिदिन सुबह 7 बजे से शाम 8 बजे तक अनिवार्य रूप से संचालित किए जाएंगे। दोनों अनुमंडल पदाधिकारियों को प्रतिदिन फील्ड भ्रमण कर अभियान की प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी प्रखंड प्रभारी पदाधिकारी, बीडीओ एवं अंचलाधिकारी को स्वयं फील्ड में उपस्थित रहकर कर्मियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया।

राजवाहा पुल की जर्जर हालत पर चिंता, मरम्मत की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा गया ज्ञापन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के पूर्वी दिशा में स्थित राजवाहा पुल की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में लगातार चिंता बढ़ती जा रही है। पुल की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि किसी भी समय बड़ी दुर्घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसी गंभीर समस्या को देखते हुए युवा समाजसेवी अजय राय ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार को पुल की मरम्मत कराने की मांग से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अजय राय ने उल्लेख किया है कि अनुमंडलीय अस्पताल के ठीक पूर्व दिशा में अवस्थित यह राजवाहा पुल अरैला, बांझु डेरा, नंदन, लाखन डिहरा,

बीएमपी-4, अरियाँव सहित कई गांवों को जोड़ने का प्रमुख मार्ग है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण, मरीज, छात्र एवं अन्य लोग इसी पुल के माध्यम से आवागमन करते हैं। पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं हर समय किसी अप्रिय घटना का खतरा बना रहता है।

अजय राय ने प्रशासन से अविलंब इस पुल की मरम्मत कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने इसे जनहित से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

वहीं, ज्ञापन प्राप्त होने के बाद एसडीएम राकेश कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सकारात्मक रुख अपनाया और आश्वासन दिया कि राजवाहा पुल की स्थिति की जांच कराकर जल्द से जल्द आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाएगा। प्रशासन के इस आश्वासन पर अजय राय ने एसडीएम के प्रति आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि जल्द ही लोगों को इस समस्या से राहत मिलेगी।

राजपुर पंचायत समिति की बैठक बनी अनुशासन की कसौटी, गैरहाजिरी पर अधिकारियों का सख्त संदेश

- **कोरम के अभाव में बैठक स्थगित, प्रतिनिधियों की एंट्री पर उठा विवाद; अगली बैठक में अनिवार्य उपस्थिति का अल्टीमेटम**

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड मुख्यालय के सभा कक्ष में शुक्रवार को निर्धारित समय 11 बजे पंचायत समिति की बैठक शुरू होने से पहले ही सवालों के घेरे में आ गई। प्रखंड प्रमुख मंजू देवी की अध्यक्षता और बीडीओ सिद्धार्थ कुमार की मौजूदगी में आहूत बैठक में सदस्यों की भारी अनुपस्थिति ने व्यवस्था और जिम्मेदारी दोनों पर सवाल खड़े कर दिए।

बैठक के दौरान बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने सख्त लहजे में स्पष्ट किया

कि सूचना के बावजूद लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने वाले पदेन सदस्यों पर नियमानुसार कार्रवाई तय है। वहीं बीपीआरओ अभिषेक पाठक ने सरकार के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि सदन में केवल अधिकृत पदेन सदस्य ही भाग लेंगे, उनके स्थान पर कोई प्रतिनिधि या संबंधी मान्य नहीं होगा।

इस बयान पर सदन में मौजूद मुखिया और बीडीसी प्रतिनिधियों ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि जब विभागीय अधिकारी स्वयं बैठकों में नहीं आते और उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहते हैं, तो जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों पर रोक क्यों? इससे आम जनता की समस्याओं का समाधान प्रभावित होता है।

हालांकि अधिकारियों ने दो टूक कहा कि नियम सभी के लिए समान हैं और किसी को विशेष छूट नहीं दी जाएगी। नतीजतन 19 पंचायतों के लिए 26 बीडीसी और 19 मुखिया में से मात्र आठ सदस्यों की उपस्थिति दर्ज हुई, जिससे कोरम पूरा नहीं हो सका। अंततः बैठक को स्थगित करना पड़ा।

बैठक स्थगित होने को लेकर प्रखंड में चर्चा तेज रही। मुखिया अजय कुमार राम ने इसे सही कदम बताते हुए कहा कि ऐसी कार्रवाई हर बार होनी चाहिए ताकि बैठकों की गरिमा बनी रहे। अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सहमति जताते हुए कहा कि बैठकें समय पर हों और नियमों के अनुसार संचालित की जाएं, यही लोकतांत्रिक व्यवस्था के हित में है।

अंत में अगली बैठक के लिए सभी सदस्यों से अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की अपील की गई। बैठक में उप प्रमुख मजिदन खातून, मुखिया तुलसी साह, अनिल सिंह, ललन रजक, बीडीसी अलीशेर शाह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मुगांव में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध हथियार व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

- **शराब की सूचना पर पहुंची पुलिस को मिला कट्टा, जिंदा कारतूस व खोखा, युवक गिरफ्तार, आपराधिक नेटवर्क की जांच तेज**

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरान सराय थाना क्षेत्र के मुगांव गांव में गुरुवार की देर रात पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अवैध हथियार, तीन कारतूस व तीन खोखा बरामद किया है। पुलिस ने इस आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस की सक्रियता की चर्चा जोरों पर है। बता दें कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मुगांव गांव में एक युवक ने अपने घर में शराब की खेप छिपा रखी है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए कोरान सराय थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने तत्काल पुलिस टीम का गठन किया और रात में ही छापेमारी कराई। तलाशी के दौरान शराब तो नहीं मिली, लेकिन युवक के घर से अवैध हथियार और कारतूस मिलने के बाद पुलिस ने उसे मौके से ही हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान मुगांव निवासी सुरेश राय के पुत्र धीरज कुमार राय के रूप में हुई है। हथियारों की बरामदगी के बाद पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए जांच का दायरा बढ़ा दिया है।

आर्म्स एक्ट में प्राथमिकी पूछताछ जारी

थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने बताया कि गिरफ्तार युवक से लगातार पूछताछ की जा रही है। यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि अवैध हथियार कहां से लाए गए और इन्हें रखने का उद्देश्य क्या था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं युवक किसी संगठित आपराधिक गिरोह से तो नहीं जुड़ा है या फिर वह किसी बड़ी वारदात की तैयारी में था। उन्होंने बताया कि इस मामले में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही युवक के आपराधिक इतिहास को भी खंगाला जा रहा है।

इलाके में बढ़ाई गई सतर्कता

इस कार्रवाई के बाद मुगांव और आसपास के इलाकों में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

वसंत पंचमी पर्व को लेकर मां सरस्वती के मूर्ति प्रतिमा को गढ़ने में जुटे मूर्तिकार

केटी न्यूज/रोहतास

अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों में वसंत पंचमी पर्व को लेकर बाजारों में चहल पहल बढ़ गई है। दूसरी तरफ कड़ाके की ठंड और सर्द हवाओं के बीच भी मूर्तिकार युद्धस्तर पर मां शारदा की भव्य प्रतिमाओं का निर्माण कर रहे हैं जो मिट्टी,रंग और सजावटी सामग्रियों के साथ घंटों मेहनत करने वाले कारीगर ठंड की परवाह किए बिना देवी सरस्वती की सुंदर और आकर्षक मूर्तियां तैयार कर रहे हैं ।बिक्रमगंज आस्कामिनी नगर के मूर्तिकार मुंशी प्रजापति,ललन प्रजापति एवं इटिम्हां निवासी मूर्तिकार बिट्टू कुमार ने बताया कि ठंड बहुत है,लेकिन आस्था की गर्मी और श्रद्धालुओं की उम्मीद हमें निरंतर प्रेरित करती है । इस बार स्कूलों, कॉलेजों और पूजा समितियों से रिकॉर्ड संख्या में ऑर्डर आए हैं । समय पर सभी प्रतिमाओं को तैयार करना चुनौतीपूर्ण है,लेकिन यही हमारी प्रेरणा है । मूर्तियों में पारंपरिक स्वरूप के साथ आधुनिक रंग और डिजाइन का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है । वीणा,हंस और पीले वस्त्र के साथ-साथ सुंदर आभूषणों और सजावटी रंगों से मां शारदा की मूर्तियां देखने में बेहद आकर्षक और जीवंत लग रही हैं । कुछ मूर्तिकार स्थानीय संस्कृति और परंपरा के रंगों को भी जोड़कर प्रतिमाओं को और विशिष्ट बना रहे हैं। वही बाजारों में भी वसंत पंचमी की रौनक शुरू हो गई है ।स्थानीय लोगों का कहना है कि ठंड के बावजूद मूर्तिकारों की मेहनत और श्रद्धालुओं का उत्साह पूरे इलाके में एक अलग ऊर्जा पैदा कर रहा है । स्कूलों और कॉलेजों में भी वसंत पंचमी के कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं । बच्चे-छात्राएं मां सरस्वती की पूजा के लिए उत्साहित हैं और प्रतिमाओं को देखकर अपनी खुशी छुपा नहीं पा रहे, जहां कड़ाके की ठंड भी बिक्रमगंज अनुमंडल में वसंत पंचमी के उत्साह को रोक नहीं पाई। मां शारदा की भव्य प्रतिमाओं का निर्माण,बाजारों की रौनक और लोगों की आस्था इस पर्व को और भी यादगार बना रही है । इस साल का वसंत पंचमी पूरे अनुमंडल में श्रद्धा,उत्साह और सांस्कृतिक उमंग का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

जनता दल यूनाइटेड ने की बड़ी कार्रवाई 12 नेताओं को किया पार्टी से निष्कासित

6 वर्षों के लिए निष्कासित

एजेंसी। पटना

जदयू ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 नेताओं को दल से निष्कासित कर दिया है। यह फैसला बिहार विधानसभा आम चुनाव-2025 के दौरान पार्टी और गठबंधन के प्रत्याशियों के विरुद्ध कार्य करने के आरोपों के बाद लिया गया हैबिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पार्टी के आधिकारिक प्रत्याशियों के खिलाफ काम करने वाले पदाधिकारियों पर जदयू ने कड़ा प्रहार किया है। पार्टी द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पूर्व विधायकों और जिला प्रभारियों सहित 12 नेताओं को 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया है ।

निष्कासित नेताओं की सूची

नाम	पद/स्थान
1. श्री अशोक सिंह	पूर्व स०वि०स० सह पूर्व जिलाध्यक्ष, औरंगाबाद
2. श्री संजीव कुमार सिंह	नेता जदयू, औरंगाबाद
3. श्री प्रमोद सदा	नेता जदयू, सहरसा
4.श्री राज कुमार साह	नेता जदयू, सहरसा
5. श्री संजय कुशवाहा	नेता जदयू, सिवान
6.श्रीमती कमला कुशवाहा	नेता जदयू, सिवान
7. श्री गोपाल शर्मा	पूर्व जिलाध्यक्ष, जहानाबाद
8. श्री महेन्द्र सिंह	नेता जदयू, जहानाबाद
9.श्री गुलाम मुर्तजा अंसारी	नेता जदयू, जहानाबाद
10. श्री अमित कुमार पम्मू	नेता जदयू, जहानाबाद
11.श्री अवधेश लाल देव	नेता जदयू, दरभंगा

यात्रा के माध्यम से विकास की नई रूपरेखा गढ़ रहे नीतीश कुमार : जदयू

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहचान एक ऐसे जननेता के रूप में है, जिनकी राजनीति का केंद्र आम जनता और लोकतांत्रिक संवाद रहा है। बिहार भर की यात्रा और लोगों से सीधा संवाद उनकी विशिष्ट कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा है। वे लोकतंत्र में जनता को सबसे आगे रखते हुए न केवल उनकी बात सुनते हैं, बल्कि उस फीडबैक को शासन और नीति निर्माण का आधार भी बनाते हैं।

जांच समिति की रिपोर्ट पर हुई कार्रवाई

विधानसभा चुनाव के दौरान कई क्षेत्रों से भितरघात की शिकायतें मिली थीं 3। इन शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए पार्टी ने एक तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया था 4। समिति द्वारा सौंपे गए प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि इन नेताओं ने दल और गठबंधन के हितों के विरुद्ध कार्य किया, जिसके बाद इन्हें 6 वर्षों के लिए निष्कासित करने का आदेश जारी किया गया।

दुकान बंद कर घर लौट रहे दुकानदार की कर दी गोली मारकर हत्या

केटी न्यूज/आरा

बिहार के आरा में गुरुवार की रात दुकान बंद कर घर लौट रहे दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के पीठ पर दो जगह गोली लगने के निशान मिले हैं। घटना जिले के जगदीशपुर थाना के बौलीपुर गांव की है, इस सनसनीखेज वारदात से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। मृतक की पहचान बौलीपुर गांव के वार्ड संख्या 11 निवासी स्वर्गीय केशो महतो के पुत्र 65 वर्षीय कामेश्वर महतो के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक कामेश्वर महतो रोज की तरह रात में अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया और पीठ में गोली मार दी। उनके शरीर पर पीठ के हिस्से में दो जगह गोली लगने के निशान मिले हैं। गोली लगते ही वे मौके पर ही गिर पड़े और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जगदीशपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल में करवाया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जाता है कि मृतक अपने पुत्र के साथ मिलकर गांव में मोबाइल और किराना की दुकान चलाते थे। वे गांव में एक सीधे-सादे और मिलनसार व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। उनकी हत्या से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में इस हत्या को पूर्व के भूमि विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। परिजनों ने तीन पर नामजद आरोप लगाए हैं और पुलिस को जानकारी दी है कि मृतक का कुछ लोगों से जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। पुलिस इन बिंदुओं पर गहराई से जांच कर रही है और परिजनों से पूछताछ कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। जगदीशपुर थाना इंचार्ज सुशांत मंडल ने बताया कि सभी बिन्दुओ को ध्यान में रखकर घटना कि जांच की जा रही है। नामजद आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

भोजपुर में बड़ी कार्रवाई : 12 चक्का ट्रक से एक करोड़ की अवैध विदेशी शराब बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। विभाग द्वारा संयुक्त छापेमारी में एक 12 चक्का ट्रक से लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य की अवैध विदेशी शराब बरामद की गई है। इस कार्रवाई में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जिला पदाधिकारी भोजपुर श्री तनय सुल्तानिया के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त मद्यनिषेध, भोजपुर (आरा) को गुप्त सूचना मिली कि पंजाब से एक ट्रक में भारी मात्रा में विदेशी शराब मुजफ्फरपुर की ओर ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर निरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। मद्यनिषेध इकाई पटना के सहयोग से बिहियाँ चौक के पास (थानाझ बिहियाँ, जिलाझभोजपुर) पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान टाटा कंपनी के 12 चक्का ट्रक (निबंधन संख्या इफ05ऋह्व-4421) को रोका गया। ट्रक में रखे सड़े-गले आलू के बोरों के नीचे छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। गिरफ्तार तस्कर की पहचान विजय कुमार, पिता गुरुचु लाल, निवासी सोलौर, थाना छोटान, जिला बाड़मेर, राज्य राजस्थान के रूप में हुई है। बरामद शराब में Imperial Blue Whisky, McDowell's No.1 Whisky और Royal Stag Whisky के विभिन्न साइज शामिल हैं। कुल 24,288 पीस शराब बरामद की गई, जिसकी मात्रा लगभग 8,244 लीटर है। सभी बोतलों पर ह्लत्रङ्घ१ रॅंल्ल ढ४ल्लुंह्व अंकित पाया गया है। कार्रवाई में सहायक आयुक्त मद्यनिषेध भोजपुर के साथ निरीक्षक अनिल कुमार, सहायक अवर निरीक्षक मदन लाल यादव, सहायक अवर निरीक्षक धीरज कुमार एवं सशस्त्र बल शामिल थे। जब्त शराब का बाजार मूल्य लगभग एक करोड़ रुपये आंका गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

एक नजर

रोहतास जिले के कुख्यात अपराधी में संलिप्त राकेश को पुलिस ने किया गिरफ्तार

काराकाट। स्थानीय पुलिस ने विभिन्न कण्डों में संलिप्त आरोपी राकेश पासवान,पिता बहादुर पासवान, ग्राम किरही निवासी थाना काराकाट के खिलाफ 9 गंभीर मामले दर्ज हैं। जिनमें डकैती,लूट और बिहार मद्य निषेध अधिनियम के उल्लंघन के आरोप शामिल हैं। वह कई वर्षों से फरार चल रहा था। बिक्रमगंज एसडीपीओ सह एएसपी संकेत कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 8 जनवरी 2026 को गुप्त सूचना मिली कि राकेश अपने गांव किरही पहुंचा है। काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसमें डीआईयू रोहतास के जवान भी शामिल थे। टीम ने तत्काल छापेमारी अभियान चलाया और आरोपी को उसके गांव में धर दबोचा। पूछताछ के दौरान राकेश ने अपनी संलिप्तता कबूल करते हुए सहयोगियों के नाम भी उगल दिए। पुलिस ने इनके खिलाफ छापेमारी तेज कर दी है। अपराधी राकेश के खिलाफ मुख्य कण्डों में काराकाट थाना कांड संख्या 322/19, 433/24 जो मद्य निषेध अधिनियम तहत धारा कांड 320/19, 330/19, 268/19, 149/21, 03/23, 09/23 तथा बिक्रमगंज थाना कांड 26/18। इनमें डकैती,लूट और शराब तस्करी जैसे संगीन अपराध शामिल हैं। एएसपी संकेत कुमार ने इस कार्रवाई को अपराधियों के लिए सख्त चेतावनी बताया। उन्होंने गिरफ्तारी में योगदान देने वाली टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की। इस सफलता से इलाके में पुलिस की सक्रियता बढ़ गई है और अपराधी तत्वों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तारीफ की तथा अपराधमुक्त रोहतास के लिए सहयोग का भरोसा जताया।

बाल-विवाह निषेध अधिनियम के प्रति जागरूकता अभियान को लेकर बैठक

बिक्रमगंज। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश के आलोक में चाईल्ड मैरेज के खिलाफ जागरूकता अभियान के संचालन हेतु 100 दिवसीय कार्य योजना के कियान्वयन एवं संचालन हेतु पारा विधिक स्वयं सेवकों,आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को अनुमण्डल न्यायिक दण्डाधिकारी सह सचिव अनुमण्डल विधिक सेवा समिति बिक्रमगंज की अध्यक्षता में किया गया। जागरूकता अभियान को लेकर रूप रेखा तैयार किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी ने कहा कि बाल विवाह निरोध अधिनियम के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रखंड के सभी गावों में आंगनवाड़ी सेविका और आशा कार्यकताओं के सहयोग से नुक्कड़ सभा, रैली और आम सभा का आयोजन किया जाएगा। प्रखंड और अनुमंडल स्तर पर आम सभा तथा रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। आयोजित प्रशिक्षण में लोक अदालत कार्यालय प्रभारी देवेन्द्र कुमार सिंह, पैनल अधिवक्ता श्याम सुंदर मिश्र, पीएलवी चित्रा कुमारी, शिल्पी कुमारी, विकास कुमार, अंशु कुमारी, रूबी कुमारी, रितेश कुमार, मो. रिजवान, रविन्द्र कुमार सिंह, उपेंद्र कुमार सिंह, उमाकांत सिंह, शांति देवी, वीणा सिंह सहित कई पीएलवी, आंगनवाड़ी सेविका और आशा उपस्थित थी।

सरकार ने दिया प्रोन्नति का तोहफा, समय से पूरा करें सरकारी काम: प्रधान सचिव

पटना। ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने शुक्रवार को विभागीय सभागार में पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में अलग-अलग परियोजनाओं की प्रगति और समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने नीचे से ऊपर तक सभी पदाधिकारी और कर्मचारियों की प्रोन्नति कर दी है। अब इन सभी पदाधिकारी और कर्मचारियों का दायित्व बनता है कि वह सरकारी काम की गति को भी तेजी से आगे बढ़ाएं। विभाग के प्रधान सचिव ने अलग-अलग शाखाओं में नियुक्ति अधियाचना, प्रोन्नति, सेवा, संविदा कर्मियों का वेतन, कार्यालय भवन, आवास, जल-जीवन-हरियाली, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान (एलएसबीए), जीविका आदि परियोजनाओं की प्रगति पर पदाधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित परियोजनाओं का काम समय से और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाय। प्रधान सचिव ने विभागीय सफलताओं को सोशल माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें कि कार्य प्रगति की जानकारी त्वरित ढंग से प्राप्त हो सके। इस दिशा में कार्यों की दक्षता एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत निगरानी प्रणाली व एकीकृत मीडिया प्रबंधन की आवश्यकता पर विशेष रूप से बल दिया। उन्होंने लोकपाल की बहाली, न्यायालय में लंबित मामलों की जानकारी ली। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट की तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मातृत्व योजना तहत महिलाओं ने अपना कराया बंध्याकरण

राजपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना अन्तर्गत 102 प्रेग्नेंट माताओं ने प्रसव पूर्व जांच करा नौ महिलाओं ने अपना बंध्याकरण ऑपरेशन करवाया। इस संदर्भ प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुमित कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम के तहत 102 प्रेग्नेंट माताओं का प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच हुआ। लगभग सभी जच्चा बच्चा स्वस्थ्य पाये गये।

जबकि कुछ माताओं में एनीमिया की शिकायत मिला। जिसके उपचार के लिए विशेष टीम गठित कर अस्पताल में पहुंची सभी गर्भवती माताओं का प्रसव पूर्व हीमोग्लोबिन को कम्प्लीट करने के लिए निर्देशित किया गया.ईलाज में सहयोग प्रदान कर रहे डा अरविंद कुमार के नेतृत्व में एनएम मालती कुमारी, प्रभा कुमारी के सहयोग से गर्भवती माताओं का ब्लड शुगर लेवल,वजन,हीमोग्लोबिन,ब्लड प्रेशर,गर्भ में पल रहे बच्चे की स्थिति आदी का जांच किया गय।

2024 के मुकाबले 2025 में कम हुए संगीन अपराध, पहली बार डकैती की संख्या 200 से कम

- डीजीपी विनय कुमार ने दी जानकारी, हत्या में 8.3 फीसदी, डकैती मे 26.90 प्रतिशत कम हुई घटनाएं, 2025 में 50 हजार अपराधी अधिक हुए गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

राज्य में 2024 के मुकाबले 2025 में सभी तरह के संगीन अपराधों की संख्या में कमी आई है। पहली बार राज्य में डकैती की वार्षिक घटनाएं 200 से कम हुई है। वर्ष 2024 में जनवरी से दिसंबर तक डकैती की 238 वारदातें हुई थी, जो 2025 में घटकर 174 हो गई हैं। इसी तरह हत्या में 8.3 प्रतिशत, लूट में 21.10 प्रतिशत, दंगा में 21.50 प्रतिशत, रेप में 8.20 प्रतिशत, बैंक डकैती में 80 फीसदी और बैंक लूट की वारदातों में 62.50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह जानकारी बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने दी। वे पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बेहतर और सशक्त पुलिसिंग की बदौलत के कारण ही अपराध में यह नियंत्रण हो पाया है। नतीजन 2024 की तुलना में 2025 में 50 हजार अधिक अपराधियों की गिरफ्तारी की गई।

किसी तरह के अपराध और अपराधी से समझौता नहीं

डीजीपी ने किसी तरह से अपराध और अपराधियों से समझौता नहीं करने का सख्त संदेश देते हुए कहा कि पुलिस की वर्दी पहनकर भी अगर कोई अपराधियों की तरह काम करेगा या किसी घटना को अंजाम देगा, तो वे भी तत्काल प्रभाव से जेल जाएंगे और ऐसे लालची पदाधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी। हाल के दिनों में गयाजी, मेतिहारी, लालगंज (वैशाली), छपरा में पुलिस पदाधिकारियों या कर्मियों के स्तर से सामने आ गई कुछ आपराधिक वारदातों के खिलाफ सख्त नाराजगी जताते हुए डीजीपी ने कहा कि दोषी पाए जाने वाले पदाधिकारी सेवा से बर्खास्त होंगे। उन्होंने कहा कि जमीन विवाद में पुलिस की भूमिका शून्य होती है। जहां कोई आपराधिक वारदात होती है, तब इसकी भूमिका सामने आती है। सभी अंचल में प्रत्येक शनिवार को जमीन विवाद सुलझाने के लिए विशेष बैठक आयोजित करने का प्रावधान है। इसकी कार्रवाई को भू-समाधान पोर्टल पर अपलोड भी करना है। सभी जिलों को भू-माफिया को चिन्हित कर इनके खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है।

साइबर थानों में मानव बल की बढ़ेगी संख्या

डीजीपी ने कहा कि पुलिस साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए हर स्तर पर काम कर रही है। राज्य में साइबर थानों की संख्या तो फिलहाल नहीं बढ़ाई जाएगी, लेकिन यहां तैनात कर्मियों या मानव बल की संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी। इसके साथ ही साइबर अपराधियों के खिलाफ भी बड़ी संख्या में कार्रवाई की जा रही है। साइबर अपराध को नियंत्रित करने के लिए एक अलग इकाई बनाई गई है। इसका नेतृत्व आईजी या एडीजी रैंक के अधिकारी करेंगे। जल्द ही इसका पटना में 6-7 मंजिला भवन भी बनाया जाएगा, जो साइबर अपराध नियंत्रण का कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनेगा। बिहार पुलिस के सोशल मीडिया एकाउंट पर फॉलोअर की संख्या अन्य सभी विभागों में सर्वाधिक है। पिछले एक वर्ष में फॉलोअर की संख्या में 6 लाख की बढ़ोतरी हुई है।

मकर संक्रांति पर्व को लेकर लोगों के तिल-तिलकुट खरीदारी से बाजार हुआ गुलजार

केटी न्यूज/रोहतास

मकर संक्रांति पर्व की आहट के साथ ही बिक्रमगंज अनुमंडल मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों के शहरी और ग्रामीण बाजारों में परंपरा,आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है । लोकपर्व की तैयारियों ने बाजारों को नई पहचान दे दी है और खरीदारी को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आ रहा है । बाजारों में तिल,गुड़,तिलकुट, चूड़ा-दही,मिठाइयों,मौसमी फलों और पूजा सामग्री से सजी दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं । रंग-बिरंगे झंडों, बैनरों और रोशनी से सजे बाजारों में सुबह से देर शाम तक खरीदारों की आवाजाही देखी जा रही है । तिलकुट की खुशबू और गुड़ की मिठास पूरे बाजार क्षेत्र में त्योहार का एहसास करा रही है । ग्रामीण इलाकों के हाट- बाजारों में भी मकर संक्रांति को लेकर विशेष चहल-पहल है । आसपास के गांवों से लोग परिवार के साथ बाजार पहुंच रहे हैं और परंपरागत वस्तुओं की खरीदारी कर रहे हैं । ग्रामीणों का कहना है कि यह पर्व केवल धार्मिक महत्व ही नहीं रखता,बल्कि सामाजिक एकता और पारिवारिक मेल-मिलाप का अवसर भी प्रदान करता है । व्यापारियों के अनुसार मकर संक्रांति पर्व को लेकर इस बार बाजार में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है । तिलकुट,गुड़ और चूड़ा-दही की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है,जिससे व्यापारियों में काफी उत्साह है । कई दुकानदारों ने बताया कि पर्व के चलते इस समय बिक्री अपने चरम पर है।

बिहार में पुलिस भवन निर्माण को मिली स्वीकृति, 34 करोड़ रुपये की परियोजना को मिली हरी झंडी

एजेंसी/पटना

बिहार सरकार ने राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और पुलिस प्रशासन की कार्यक्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाया है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुजफ्फरपुर जिले में वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय और पटना जिले में बुद्धा कॉलोनी थाना भवन के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। इन दोनों परियोजनाओं के निर्माण पर कुल 34 करोड़ 31 लाख 21 हजार 450 रुपये की लागत आएगी। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बताया कि मुजफ्फरपुर में वरीय पुलिस अधीक्षक के नए कार्यालय भवन और आवासीय संरचना के निर्माण के लिए 18 करोड़ 92 लाख 21 हजार 500 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। यह नया भवन जी प्लस फोर (ऋ+4) संरचना में तैयार किया जाएगा और इसमें आधुनिक सुविधाओं का समावेश होगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से न केवल पुलिस प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी बल्कि आम जनता को भी त्वरित और बेहतर सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। पटना में बुद्धा कॉलोनी थाना भवन के निर्माण के लिए 15 करोड़ 38 लाख 99 हजार 950 रुपये की लागत स्वीकृत की गई है। यह थाना भवन जी प्लस सिक्स (ऋ+6) संरचना में विकसित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी पटना में तेजी से बढ़ती आबादी और शहरी आवश्यकताओं के चलते आधुनिक थाना भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इस परियोजना के पूरा होने के बाद पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा और जनता को कानून व्यवस्था से जुड़ी सेवाओं का लाभ शीघ्र और प्रभावी ढंग से मिलेगा। चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में पुलिस भवनों के निर्माण और सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को आधुनिक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में और अधिक सक्षम बन सकें। उन्होंने कहा कि बेहतर अधोसंरचना से पुलिसकर्मियों का मनोबल भी बढ़ता है और इसका सीधा लाभ जनता को मिलता है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार का दृष्टिकोण केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस व्यवस्था में समग्र सुधार करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नए भवनों में आधुनिक कार्यालय व्यवस्था, प्रशिक्षण सुविधाएं, आवासीय प्रबंध और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे पुलिसकर्मियों को एक समेकित और सुविधाजनक कार्यस्थल मिलेगा और वे अपनी जिम्मेदारियों को और बेहतर ढंग से निभा सकेंगे। मुजफ्फरपुर और पटना में नई परियोजनाओं के निर्माण से पुलिस अधोसंरचना की मजबूती आएगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि इन भवनों में आधुनिक तकनीकी उपकरण, प्रशिक्षण कक्ष, बैठकों के लिए सभागार और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं होंगी।

एनडीए को मिले बहुमत के लिए जनता को करेंगे धन्यवाद

16 जनवरी से नीतीश कुमार की बिहार यात्रा

एजेंसी/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मकर संक्रांति के अवसर पर दही-चूड़ा भोज में शामिल होने के तुरंत बाद बिहार यात्रा पर निकल सकते हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री की यह यात्रा 16 जनवरी से शुरू होने की संभावना है। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन जिलों को मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। जिला स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार की इस व्यापक बिहार यात्रा के कारण राज्य में बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार में कुछ और देरी हो सकती है। जानकारी के मुताबिक, खरमास की अवधि समाप्त होते ही मुख्यमंत्री बिहार यात्रा पर निकलेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद नई सरकार के गठन के बाद यह उनकी पहली व्यापक राज्य यात्रा होगी। इस यात्रा को राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों दृष्टिकोण से काफी अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री इस दौरान एक साल पहले शुरू की

गई ह्यप्रगति यात्राह्न के दौरान की गई घोषणाओं और शुरू हुए विकास कार्यों की जमीनी हकीकत का जायजा लेंगे। विभिन्न जिलों में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ वे अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी देंगे।

मुख्यमंत्री की इस यात्रा का एक प्रमुख उद्देश्य हालिया विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिले प्रचंड बहुमत के लिए राज्य की जनता का आभार प्रकट करना भी बताया जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह यात्रा आगामी वर्षों की रणनीति और सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करने का माध्यम भी बनेगी। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कई जनसभाओं और संवाद कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकते हैं।

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री इस दौरान जीविका दीदियों से भी संवाद कर सकते हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को मिल रहे लाभों की समीक्षा उनके एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल है। सरकार महिला सशक्तिकरण को अपनी बड़ी उपलब्धियों में गिनाती रही है, ऐसे में इस यात्रा के दौरान इस क्षेत्र में हुए कार्यों का फीडबैक लेना भी मुख्यमंत्री का लक्ष्य हो सकता है। इधर, बिहार में कैबिनेट विस्तार को लेकर भी सियासी हलकों में लगातार चर्चा बनी हुई है। खरमास के बाद नीतीश कैबिनेट के विस्तार की अटकलें तेज थीं, लेकिन अब मुख्यमंत्री की बिहार यात्रा के चलते इसमें देरी की संभावना जताई जा रही है। दरअसल, नवंबर 2025 में नई सरकार के गठन के समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कुल 27 मंत्रियों ने शपथ ली थी। बाद में भाजपा नेता नितिन नवीन के पार्टी का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मंत्री पद से इस्तीफा देने से मंत्रिपरिषद में एक पद और खाली हो गया। संविधान के प्रावधानों के अनुसार बिहार में अधिकतम 36 मंत्री बनाए जा सकते हैं। इस लिहाज से अभी राज्य मंत्रिपरिषद में कुल 10 पद खाली हैं। वर्तमान में नीतीश कैबिनेट में भाजपा कोटे से सबसे अधिक 13 मंत्री हैं, जबकि जदयू के 9, लोजपा-आर के 2 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (फ्छट) तथा हम (ळअट) के एक-एक मंत्री शामिल हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा लगातार होती रही है कि बाकी बचे मंत्रिपदों को खरमास के बाद कैबिनेट विस्तार के जरिए भरा जाएगा। संभावित गणित के अनुसार जदयू से 6, भाजपा से 3 मंत्री बनाए जाने की अटकलें हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री की प्रस्तावित बिहार यात्रा और व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए कैबिनेट विस्तार की तारीख आगे खिसक सकती है।फिलहाल, मंत्रिपरिषद के विस्तार को लेकर सरकार या राजभवन की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में राजनीतिक हलकों की नजरें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बिहार यात्रा और उसके बाद होने वाले घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं। यह यात्रा न केवल विकास कार्यों की समीक्षा के लिहाज से अहम मानी जा रही है, बल्कि इससे आने वाले दिनों में सरकार के राजनीतिक और प्रशासनिक फैसलों की दिशा भी तय हो सकती है।

एक नजर

लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार पर आरोप तय, तेजस्वी यादव समेत तेज प्रताप भी फंसे

पटना। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने रेलवे में कथित जमीन के बदले नौकरी देने के बहुचर्चित घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की चार्जशीट पर सुनवाई करते हुए अदालत ने लालू प्रसाद यादव, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत ने यह फैसला सुनाते हुए मामले में कुल 52 आरोपियों को बरी भी कर दिया। दरअसल, लैंड फॉर जॉब घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार को बड़ा कानूनी झटका लगा है। दिल्ली की राउस एवेन्यू कोर्ट ने इस बहुचर्चित मामले में लालू प्रसाद यादव सहित 40 से अधिक आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। जबकि दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) की चार्जशीट पर लालू, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, तेज प्रताप, मीसा भारती, हेमा यादव समेत 40 लोगों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है। सीबीआई की विशेष अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें विस्तार से सुनने के बाद यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया।

बिहार में सात निश्चय-3 के तहत पांच नए एक्सप्रेस-वे निर्माण की योजना, पटना और जिलों की कनेक्टिविटी बढ़ेगी

पटना। बिहार में सड़क परिवहन एवं पथ निर्माण के क्षेत्र में राज्य सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना के तहत पांच नए एक्सप्रेस-वे के निर्माण को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस योजना को ह्लसात निश्चय-3ह्व के तहत लागू किया जा रहा है। पथ निर्माण मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को बताया कि पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल तथा विभाग के दो वरिष्ठ इंजीनियरों को एक्सप्रेस-वे निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं को समझने और अनुभव प्राप्त करने के लिए महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश भेजा गया है। इन राज्यों में एक्सप्रेस-वे निर्माण के सफल मॉडल को देखकर बिहार पथ निर्माण विभाग को यह जानकारी मिलेगी कि किस प्रकार से एक्सप्रेस-वे का निर्माण और संचालन किया जा सकता है। सचिव अपनी रिपोर्ट तैयार कर मंत्री को उपलब्ध कराएंगे। इसके आधार पर यह तय होगा कि एक्सप्रेस-वे की फंडिंग कैसे की जाएगी और राज्य सरकार किन क्षेत्रों में अपने स्तर से इसका निर्माण कराएगी। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश सरकारों ने अपने राज्यों में एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए विशेष कंस्ट्रक्शन अथॉरिटी का गठन किया है। बिहार पथ निर्माण विभाग भी इस तरह की अथॉरिटी बनाने की योजना पर विचार कर रहा है। इस अथॉरिटी के माध्यम से एक्सप्रेस-वे निर्माण की प्रक्रियाओं को तेजी और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा सकेगा। पथ निर्माण मंत्री ने कहा कि एक्सप्रेस-वे का निर्माण इस तरह से किया जाएगा कि एक जिले को कई जिलों से जोड़ने की सुविधा मिले।

जहरीली शराब कांड की आशंका, पिताझ्रपुत्र की मौत, तीसरा बेटा गंभीर, प्रशासन अलर्ट

पटना। बिहार के समस्तीपुर जिले में एक बार फिर जहरीली शराबकांड की आहट से हड़कंप मच गया है। जिले के मुसरीघरारी और ताजपुर थाना क्षेत्र से सामने आई घटनाओं ने न सिर्फ स्थानीय प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि राज्य में लागू शराबबंदी कानून की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ही परिवार में करीब 16 घंटे के भीतर पिता और पुत्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत और तीसरे सदस्य के गंभीर रूप से बीमार होने की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। ताजपुर के बंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बहादुरनगर रहीमाबाद गांव में रहने वाले पल्लू ठाकुर (70) और उनके पुत्र रंजीत कुमार (35) की मौत हो गई है, जबकि परिवार का दूसरा बेटा अजीत कुमार (25) गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती है।

मुश्किल में फंसी अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम, ग्रामीणों ने बोला हमला, अफसरों ने दौड़ लगाकर बचाई जान

एजेंसी/सहरसा

सहरसा जिले के सोनवर्षा राज प्रखंड अंतर्गत मंगुआर पंचायत में गुरुवार को उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब प्रशासनिक टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के पावर सब-स्टेशन निर्माण के लिए चिन्हित सरकारी जमीन को खाली कराने के दौरान ग्रामीणों और प्रशासन के बीच तीखी झड़प हो गई।प्रशासन के अनुसार, मंगुआर पंचायत स्थित डीहटोला विषहरा मंदिर के समीप लगभग 52 डिसमिल सरकारी भूमि पावर सब-स्टेशन के लिए अधिग्रहित की गई है। इस जमीन पर लंबे समय से स्थानीय लोगों द्वारा अवैध कब्जा किया गया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को अंचल प्रशासन और पुलिस बल की संयुक्त टीम जमीन खाली कराने पहुंची थी।

ग्रामीणों ने लाठी-डंडों व ईंट-पत्थरों से प्रशासनिक टीम पर हमला किया

जैसे ही प्रशासन ने जेसीबी मशीन के माध्यम से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की, मौके पर मौजूद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। विरोध देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और ग्रामीणों ने लाठी-डंडों व ईंट-पत्थरों से प्रशासनिक टीम पर हमला कर दिया। भीड़ के उग्र रूप को देखते हुए अधिकारियों को पीछे हटना पड़ा। इस दौरान सोनवर्षा राज प्रखंड के बीडीओ और सीओ के वाहनों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया। वहीं बसनहीं थाना की दो सरकारी गाड़ियां, एक निजी वाहन तथा मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया गया।

मछली पालकों के लिए सरकार लाई है किफायती बीमा योजना, अब प्राकृतिक जोखिमों से मिलेगी सुरक्षा

एजेंसी/पटना

मछली पालकों के लिए सरकार प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के तहत किफायती बीमा योजना लेकर आई है। इस योजना का नाम जल कृषि बीमा योजना है। इसके तहत कतला, रोहु, मुगल, कॉमन कार्प जैसी देशी मछलियां पालने वाले मछली पालकों को आर्थिक सुरक्षा और किफायती बीमा का लाभ दिया जा रहा है। इस पहल से मछली पालकों को न सिर्फ बीमा तक पहुंच का लाभ मिलेगा बल्कि उनके व्यवसाय को प्राकृतिक जोखिमों से सुरक्षा भी मिलेगी। योजना का लाभ एक्वाकल्चर किसानों, मत्स्य पालकों, केजकल्चर से जुड़े मत्स्य कृषक, स्वयं सहायता समूहों, सहकारी संस्थाओं, एफपीओ और मछली पालन से जुड़े सूक्ष्म एवं लघु उद्यमी ले सकेंगे। इस योजना के तहत सरकार द्वारा दो प्रकार के बीमा विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। पहला मूलभूत बीमा,जो बाढ़, चक्रवात, प्रदूषण, सूखा और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से सुरक्षा प्रदान करता है। दूसरा व्यापक बीमा,जिसमें मूलभूत बीमा के सभी जोखिमों के साथ-साथ मछलियों में होने वाले रोगों और अतिरिक्त जोखिमों से भी सुरक्षा दी जाती है। योजनांतर्गत जो किसान इस योजना के तहत प्रीमियम राशि का भुगतान कर बीमा पॉलिसी लेते हैं, उन्हें सरकार द्वारा प्रीमियम राशि का 40 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में वापस दिया जाता है। इसके साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं को अतिरिक्त 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि का लाभ दिया जाता है। वन टाइम इंसेंटिव की अधिकतम सीमा 1 लाख रुपए है, वहीं छोटे किसानों को अधिकतम 1 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओं को अतिरिक्त 10 प्रतिशत राशि यानी कुल 1 लाख 10 हजार रुपए दिया दिया जाएगा।

आईडी बनाने की तारीख कल तक बढ़ी, बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने किसानों को दी राहत

एजेंसी/पटना

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने राज्य के किसानों से अपील की है कि वह फार्मर आईडी निबंधन का कार्य तय समय के भीतर अनिवार्य रूप से पूरा कर लें। विभाग की ओर से 6 जनवरी से पूरे राज्य में कैम्प मोड में फार्मर आईडी बनाने का अभियान चलाया जा रहा है, जिसे किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक दिन के लिए बढ़ाकर अब 10 जनवरी तक कर दिया गया है। विभागीय जानकारी के अनुसार 9 और 10 जनवरी को राज्य की सभी पंचायतों के पंचायत भवनों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां किसानों का निबंधन किया जाएगा। इन शिविरों के जरिए अधिक से अधिक किसानों को फार्मर आईडी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के वरीय अधिकारियों ने बताया कि

फार्मर आईडी बनने से किसानों को कई अहम लाभ मिलेंगे। इसके तहत पीएम किसान योजना की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जा सकेगी। साथ ही कृषि विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ भी पात्र किसानों को आसानी से मिल सकेगा। निबंधन प्रक्रिया के दौरान जमाबंदी के शुद्धिकरण का कार्य भी सुनिश्चित किया जाएगा। शिविरों में निबंधन के लिए किसानों से आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और लगान रसीद साथ लाने की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि राज्य के सभी 38 जिलों में फार्मर आईडी बनाने का कार्य मिशन मोड में चलाया जा रहा है। इस संबंध में विभाग के प्रधान सचिव सी.के. अनिल ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। अभियान को सफल बनाने के लिए 15 वरिष्ठ अधिकारियों की विभिन्न जिलों में तैनाती भी की गई है, ताकि निबंधन कार्य की सतत निगरानी और तेजी सुनिश्चित हो सके।

ठंड के ट्रिपल अटैक से बढ़ी परेशानी, बर्फीली हवाओं और कोहरे से आमजन परेशान

एजेंसी/पटना

मुजफ्फरपुर जिले में ठंड के ट्रिपल अटैक से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। पछुआ हवाओं के साथ बढ़ी कनकनी ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पारा लुढ़कते ही हालात और गंभीर हो गए हैं। जिले में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जिसके बाद आम लोगों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।जिले में हाड़ कंपाने वाली ठंड से फिलहाल कोई राहत नहीं मिलती दिख रही है। इसे देखते हुए राज्य मौसम विभाग ने शीतलहर को लेकर अलर्ट जारी किया है। लगातार बढ़ती ठंड के कारण जिला प्रशासन ने भी

लोगों से सतर्क रहने और ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की है, ताकि इसका असर बच्चों और बुजुर्गों पर न पड़े। ठंडी पछुआ हवाओं के कारण लोग मॉर्निंग वॉक से भी परहेज कर रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रहता है, इसके बाद दिनभर पछुआ और बर्फीली हवाएं चलने से पूरे जिले में शीतलहर जैसी स्थिति बनी हुई है। ग्रामीण इलाकों से लेकर शहर तक ठंड का असर साफ तौर पर देखा जा रहा है। इस भीषण ठंड का सबसे ज्यादा असर आम लोगों की रोजमर्रा की गतिविधियों पर पड़ रहा है, खासकर शहर में फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले लोग इससे सबसे अधिक प्रभावित हैं।मौसम विभाग के अनुसार मुजफ्फरपुर में लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। फिलहाल जिले का न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। ठंड के कारण सुबह से करीब 10 बजे तक और शाम 4 बजे के बाद से सुबह तक बर्फीली हवाओं के चलते लोगों की परेशानी बनी हुई है। अधिकांश लोग घरों में दुबके हुए हैं और अलाव का सहारा ले रहे हैं। ठंड से बचाव के लिए जिला प्रशासन की ओर से शहर के विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि कोई भी ठंड का शिकार न हो। मौसम विभाग ने बताया है कि शीतलहर, बर्फीली हवाओं और कोहरे के कारण जिले में लोगों को एक साथ तीन तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले दो से तीन दिनों तक ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है।

पटना के इस्कॉन मंदिर से अगवा युवक बरामद, सचिवालय में नौकरी के नाम पर करोड़ों की ठगी का हुआ खुलासा

एजेंसी/पटना

पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत इस्कॉन मंदिर के पास 5 जनवरी को हुए युवक के अपहरण मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अपहृत युवक संतोष को पटना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में नालंदा जिले के इस्लामपुर से सकुशल बरामद कर लिया गया है। इस सनसनीखेज मामले में एक महिला समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद युवक संतोष ने पुलिस को बताया कि उसे रुपए देने के बहाने अनुज, निशांत और विनोद ने इस्कॉन मंदिर के पास बुलाया था। वहां से उसे बाइक पर बैठाकर पहले रामकृष्णा नगर ले जाया गया, फिर एक कार बुक कर बिहारशरीफ पहुंचाया गया। रास्ते में उसके साथ मारपीट और मानसिक प्रताड़ना की गई। इसके बाद उसे इस्लामपुर ले जाकर एक घर में बंधक बनाकर रखा गया। संतोष पटना के नागेश्वर कॉलोनी स्थित अभिराम होटल में रिसेप्शनिस्ट के पद पर कार्यरत है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपियों का दावा है कि संतोष और होटल मालिक ने सचिवालय में नौकरी दिलाने के नाम पर उनसे 1 करोड़ रुपए से अधिक की रकम वसूली थी। इसमें 67 लाख रुपए नकद और शेष राशि बैंक खाते में ट्रांसफर कराई गई थी।